हरिभूमि

रेवाड़ी भूमि

रोहतक, शुक्रवार 12 जून 2026

तापमान

अधिकतम 38.0 डिग्री से.
न्यूनतम 29.2 डिग्री से.

11 तीन साल में एक बार आने वाली परमा एकादशी का व्रत प्रत्येक मनुष्य अवश्य करें: आचार्य लखन

12 पानी की बबार्दी रोकने के लिए जन स्वास्थ्य विभाग अलर्ट, चार गांवों के 45 लोगों को थमाए नोटिस

करीब 6 महीने से ऐतिहासिक सोलहराही व बड़ा तालाब की सुध नहीं, एलईडी लाइटें लगाने का भी नहीं शुरू हुआ कार्य

करोड़ों खर्च करने के बाद ऐतिहासिक धरोहरों को भूला प्रशासन, लोग खेल रहे ताश पत्ता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

शहर के दो ऐतिहासिक तालाब सोलहराही व बड़ा तालाब को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की योजना दम तोड़ती नजर आ रही है। इन तालाबों का जीर्णोद्धार का कार्य भी अभी बचा हुआ है। करीब 6 महीने से प्रशासन की ओर से इन धरोहरों की सुध तक नहीं ली गई है। तालाबों के जीर्णोद्धार का कार्य अक्टूबर 2023 में शुरू हुआ था तथा 2025 नवंबर से तालाबों में कोई कार्य नहीं किया गया है। हालांकि तालाबों को प्राचीन लुक दिया गया है, लेकिन देखरेख के अभाव में इनका सौन्दर्यकरण खराब होता जा रहा है। बड़ा तालाब व सोलहराही तालाब के जीर्णोद्धार का कार्य पीडब्ल्यूडी बी एंड आर विभाग की ओर से किया गया है, जिसके लिए मध्यप्रदेश भोपाल की बीएनएस कंपनी को ठेका दिया गया था। दोनों तालाबों के जीर्णोद्धार पर करीब 9 करोड़ रुपये खर्च किए गए। इन तालाबों में भविष्य में टूरिज्म विभाग की ओर से नाव चलाने की भी प्लानिंग थी। सोलहराही व बड़ा तालाब को साफ पानी से भरने के लिए सिंचाई विभाग की ओर से पाइप लाइन डाली जा चुकी है। जेएलएन नहर से लेकर दोनों तालाबों तक करीब 7.4 किलोमीटरर लंबी पाइप लाइन डाली गई है। पाइपलाइन बिछाने के लिए 3.81 करोड़ रुपये खर्च किए गए, अभी तक इनमें साफ पानी नहीं भरा गया है। फिलहाल तालाब में बरसात का पानी भर चुका है। बड़ा तालाब के नाम से विख्यात तेज सरोवर व सेक्टर-1 स्थित सोलहराही तालाब में चारों ओर नए सिरे से घाट, छतरियां व सीढ़ियां बनाई गई है। इसके अलावा तालाब के पास लोगों के बैठने के लिए बैंच भी बनाई गई है। सोलहराही तालाब पर किराये पर देने के लिए छतरीनुमा 14 दुकानों का भी निर्माण किया गया है, जिसमें पांच दुकानें नेहरू पार्क के साइड में व 9 दुकानें तालाब के अनाजमंडी साइड में बनाई गई है, लेकिन वर्तमान में इन दुकानों में असामाजिक गतिविधियां बढ़ती नजर आ रही है।

शरारती तत्व ऐतिहासिक धरोहर को नुकसान पहुंचाने लगे है। लोग ताश पत्ता खेल रहे है। और तोड़फोड़ करते है।

हरिभूमि सरोकार

रेवाड़ी। ऐतिहासिक बड़ा तालाब में भरा बरसात का पानी। फोटो : हरिभूमि

सेक्टर-1 स्थित सोलहराही तालाब

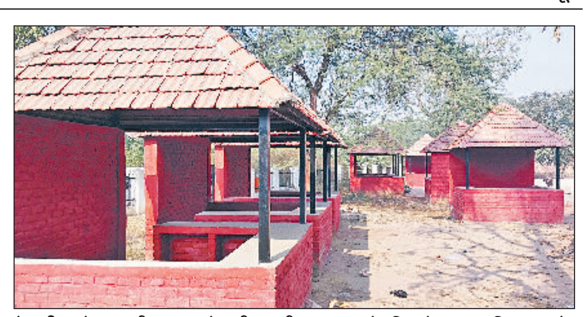

रेवाड़ी। सोलहराही तालाब में बनी छतरी नुमा दुकानें, जिनमें असामाजिक तत्वों का जमावड़ा रहता है। फोटो : हरिभूमि

आकर्षक लाइटें लगाने की थी योजना

शहर के दोनों प्राचीन तालाबों को जगमग करने के लिए आकर्षक लाइटें लगाने की भी योजना हैं। बड़ा तालाब में प्रकाश व्यवस्था को आधुनिक स्वरूप देने, घाटों के आसपास एलईडी लाइट्स, ऊर्जा-दक्ष उपकरण, भूमिगत केबलिंग और आपातकालीन सुरक्षा सिस्टम पर करीब 12.65 लाख रुपये खर्च होंगे। सोलहाराही तालाब के लिए करीब 14.13 लाख रुपये खर्च होंगे। कार्य पूरा होने पर नगर परिषद को इसकी देखरेख की जिम्मेदारी दी जानी थी, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

तालाब में अभी कार्य बाकी है

बड़ा तालाब और सोलहाराही तालाब में अभी कार्य बाकी है। पीडब्ल्यूडी विभाग की ओर से अभी तालाबों को नगर परिषद को हैंडओवर नहीं किया गया है। हैंडओवर होने के बाद दोनों तालाब की देखरेख की जाएगी।

-अरुण नांदल, ईओ, नगर परिषद।

फर्जी इंशोरेंस कर कार पर तीन लाख का लोन उठाया

गाड़ी का एक्सीडेंट होने पर हुआ खुलासा

■ अब ऑनलाइन पोर्टल पर एफआईआर कराने के बाद खोल थाना पुलिस ने केस दर्ज किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। कार के साथ युवक कपिल।

शहर में एक फाइनेंस कर्मचारी की ओर से कार का फर्जी इंशोरेंस करने का मामला सामने आया है। कर्मचारी ने गांव पाली निवासी कपिल की पुरानी गाड़ी पर 3 लाख का लोन पास कराया। गाड़ी का राजस्थान में एक्सीडेंट होने के बाद मामले का खुलासा हुआ। व्यक्ति ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए करीब डेढ़ साल तक थाने के चक्कर लगाए। अब ऑनलाइन पोर्टल पर एफआईआर कराने के बाद खोल थाना पुलिस ने केस दर्ज कर किया। पाली निवासी कपिल यादव ने बताया कि उसने अगस्त 2024 में कार खरीदी थी। नवंबर 2024 में गाड़ी पर लोन कराने के लिए वह एक फाइनेंस कंपनी कर्मचारी गांव गुवानी बाछौद के कपिल से मिला। कपिल ने उससे पैन व आधार कार्ड सहित सभी दस्तावेज ले लिए, जिसके बाद गाड़ी पर 3 लाख का लोन पास हुआ। आरोपी ने पेंडिंग कागजात पूरे करने और आरसी व इंश्योरेंस में नाम बदलवाने के नाम पर 1850 रुपए भी ले लिए और युवक को इंश्योरेंस व आरसी की फर्जी पीडीएफ फाइल भेज दी। कपिल ने बताया कि वह 10 फरवरी को अपनी मां और बहन को दवाई दिलाने के बाद जयपुर से गांव आ रहा था। इसी दौरान राजस्थान कोटपुतली के पनियाला मोड़ पर कार का एक्सीडेंट हो गया, जिसमें उसकी मां और बहन सहित तीनों को गंभीर चोटें आई। कपिल ने बताया कि अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद उसने 14 फरवरी 2025 को गाड़ी को पनियाला थाना से उठाकर एजेंसी में खड़ी की, जिसके बाद गाड़ी व पैसेंजर क्लेम की फाइल लगाई। गुरुग्राम की बीमा कंपनी में इंशोरेंस की फर्जी बताकर क्लेम फाइल रिजेक्ट कर दिया तथा कर्मचारी कपिल ने पूरी जिम्मेदारी किसी अनजान व्यक्ति पर डाल दी। डेढ़ साल थाने के चक्कर काटने के बाद कार्रवाई नहीं होने पर उसने ऑनलाइन शिकायत की। खोल थाना पुलिस ने कर्मचारी कपिल के खिलाफ धोखाधड़ी सहित विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

खबर संक्षेप

अवैध शराब बेचने के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। मॉडल टाउन थाना पुलिस ने एक शराब तस्कर को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान पीवरा की ढाणी सेक्टर-4 निवासी ईश्वर उर्फ बच्ची के रूप में हुई है। गत 10 जून को पुलिस को सूचना मिली कि एक व्यक्ति पीवरा की ढाणी के पास अवैध शराब बेचने का काम कर रहा है। सूचना पर पुलिस ने मौके पर आरोपी को काबू कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 53 पव्वे देशी शराब बरामद की है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

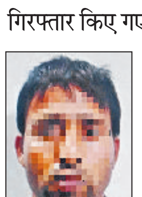

बाल श्रम निषेध दिवस के संबंध में हितधारकों के साथ की बैठक

रेवाड़ी। सीजेएम-सह-सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण डा. रेनु सोलखे ने वीरवार को एडीआर सेंटर में विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के संबंध में हितधारकों के साथ बैठक की। जागरूकता कार्यक्रमों, बाल श्रम मामलों की पहचान तथा श्रम विभाग, पुलिस एवं जिला बाल संरक्षण इकाई के साथ समन्वय पर चर्चा की गई।

रेवाड़ी। लोगों को जानकारी देते हुए सीजेएम। फोटो : हरिभूमि

सीजेएम ने वादकारियों को मध्यस्थता के लाभों की दी जानकारी

रेवाड़ी। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण पंचकूला के तत्वावधान और सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुपालना में समाधान समारोह के अंतर्गत एडीआर सेंटर में वीरवार को परामर्श एवं व्यक्तिगत संवाद सत्रों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डा. रेनू सोलखे सीजेएम-सह-सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने वादकारियों से व्यक्तिगत रूप से संवाद किया। उन्होंने मध्यस्थता के लाभों के बारे में जानकारी दी तथा पक्षकारों को अपने विवाद आपसी सहमति से सुलझाने के लिए प्रेरित किया।

तीन दिन से बिजली से परेशान लोगों का फूटा गुस्सा, लगाया जाम

■ मौके पर पहुंचे बावल थाना प्रभारी ने महिलाओं को समझाकर जाम खुलवाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बावल

रेवाड़ी। बावल में बिजली की समस्या को लेकर जाम लगाते लोग, जाम के दौरान मौके पर पहुंची पुलिस।

दो दिन पहले मंगलवार शाम को आए अंधड़ से पेड़ व बिजली के पोल टूटकर गिरने से बावल क्षेत्र में जन-जीवन प्रभावित हो गया। तीन दिन बाद भी बिजली की व्यवस्था पूरी तरह बहाल नहीं हो पाई। वीरवार को बिजली की समस्या से परेशान वार्ड नंबर-4 के नागरिकों ने बावल के तिवाडिया चौक पर जाम लगा दिया जाम लगने के बाद सड़क के दोनों तरफ वाहनों की लाइन लग गई। जाम के दौरान वाहनों की लंबी कतार लग गई। करीब 20 मिनट मिनट बाद मौके पर बावल थाना प्रभारी फूल कुमार टीम के साथ पहुंचे और लोगों को आश्वासन देकर जाम खुलवाया। वार्डवासी सुनीता व लक्ष्मी ने कहा कि तीन दिन से बिजली नहीं आ रही है, जिससे पानी भी नहीं मिल पा रहा है। लोग भीषण गर्मी में बिजली और पानी न मिलने से परेशान है। वार्ड के 25 घरों में बिजली और पानी की समस्या है। बिजली निगम के कर्मचारी फान नहीं उठा रहे है, इसलिए परेशान होकर मोहल्ले के लोगों को जाम का सहारा लेना पड़ा। जाम के कारण वाहनों की कतार लग गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने महिलाओं को समझने का प्रयास किया। महिलाओं ने कहा कि गर्मी के मौसम में घर में रुकना मुश्किल हो गया है। बिजल नहीं आने से छोटे-छोटे बच्चों का हाल बेहाल हो गया है। जब तक बिजली व्यवस्था चालू नहीं होगी जाम नहीं खोला जाएगा। बावल थाना थाना प्रभारी फूल कुमार ने महिलाओं को समझाकर जाम खुलवाया। जाम के दौरान शकुंतला, कृष्णा, सुनीता, सरोज, सुशीला, लक्ष्मी, रामकुमार, सुमित्रा, पार्वती, कल्पना व नितेश कुमार सहित अनेक लोग मौजूद थे।

शिक्षा के क्षेत्र में शोधार्थियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

एसआरआई (सेल्फ रिलायंट इंडिया) की ओर से नव चयनित शोधार्थियों के लिए आयोजित एक सप्ताह की इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यशाला में फेलोज को विद्यालय एवं समुदाय स्तर पर प्रभावी रूप से कार्य करने के लिए तैयार किया जा रहा है। प्रशिक्षण का उद्देश्य फेलोज को बच्चों के समग्र विकास, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सीखने के स्तर में सुधार तथा समुदाय के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने की समझ और कौशल प्रदान करना है। डीसी अभिषेक मीणा ने वीरवार को प्रशिक्षण स्थल का दौरा किया और फेलोज से संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में फेलोज की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि वे विद्यालय और समुदाय के बीच एक मजबूत सेतु के रूप में कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे की सीखने की गति, क्षमता और आवश्यकता अलग-अलग होती है। इसलिए शिक्षण कार्य करते समय बच्चों की व्यक्तिगत आवश्यकताओं, सीखने की चुनौतियों और उनकी भिन्नताओं को ध्यान में रखना बेहद जरूरी है।

कक्षा में केवल सामूहिक शिक्षण तक सीमित रहने के बजाय बच्चों की व्यक्तिगत प्रगति पर दें विशेष ध्यान

डीसी ने कहा कि कक्षा में केवल सामूहिक शिक्षण तक सीमित रहने के बजाय बच्चों की व्यक्तिगत प्रगति पर भी विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। बच्चों की क्षमताओं और चुनौतियों को समझकर बनाई गई शिक्षण योजना न केवल उनके सीखने के स्तर में सुधार लाती है, बल्कि उनके आत्मविश्वास, सहभागिता और आगे बढ़ने की इच्छा को भी मजबूत करती है। एसआरआई पिछले कई वर्षों से सरकारी शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने, वंचित पृष्ठभूमि के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण सीखने के अवसर उपलब्ध कराने तथा उन्हें जवाहर नवोदय विद्यालय, एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल, सैनिक स्कूल जैसे उत्कृष्ट सरकारी आवासीय विद्यालयों तक पहुंचाने के लिए कार्य कर रहा है। कार्यशाला के दौरान फेलोज को बच्चों के साथ प्रभावी संवाद, कक्षा प्रबंधन, सीखने के स्तर की पहचान, पाठ योजना, समुदाय से जुड़ाव, अभिभावक बैठक, मूल्यांकन एवं री-टीचिंग जैसी महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं पर प्रशिक्षण दिया गया।

रेवाड़ी। कार्यशाला में शोधार्थियों के साथ डीसी अभिषेक मीणा। फोटे : हरिभूमि

विक्षोभ की सक्रियता से मौसम में बार-बार आ रहा बदलाव, आगामी तीन दिनों में बारिश आने के आसार

दो दिन राहत के बाद फिर चढ़ा रात का पारा, छूट रहे पसीने

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

एक के बाद एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से मौसम में भी बार-बार बदलाव आ रहा है। दो दिन पहले बरसात व ओलावृष्टि से मौसम सुहावना हो गया था और रात के तापमान में 9 डिग्री सेल्सियस की कमी आ गई थी, जिससे लोगों को गर्मी से काफी राहत मिली, लेकिन अब वीरवार को रात का तापमान फिर से बढ़ने लगा है। पारा चढ़ने से अब उमस लू से भी ज्यादा परेशान कर रही है। उमस के चलते दिन भर लोगों के पसीने छूट रहे है। शाम के समय मौसम में बदलाव से राहत जरूर मिल रही है। हालांकि वीरवार को दिन के तापमान में कमी दर्ज की गई, लेकिन धूप में तेजी व उमस भरी गर्मी ने लोगों को काफी परेशान किया। आगामी तीन दिनों में एक बार फिर मौसम में बदलाव की संभावना जताई जा रही है, जिससे बूंदाबांदी के साथ तेज बरसात भी हो सकती है। वीरवार को सुबह से मौसम साफ रहा। आसमान साफ रहने के कारण तेज धूप निकली। इससे वातावरण में उमस बन गई। दोपहर बाद तक लोगों को उमस भरी गर्मी का सामना करना पड़ा। अधिकतम तापमान 6.5 डिग्री सेल्सियस कमी के साथ 38.0 डिग्री पर आ गया। न्यूनतम तापमान 9.4 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि के साथ 29.2 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। हवा में नमी का स्तर 22 प्रतिशत तक रहा, जबकि हवाओं की रफ्तार 15 किलोमीटर प्रति घंटा रही। शाम के समय मौसम में बदलाव से गर्मी से राहत मिली। आसमान में एक बार फिर से बादल छा गए, जिससे बूंदाबांदी की संभावना नजर आने लगी।

रेवाड़ी। वीरवार को धूप से बचाव करते जाते व्हीकल सवार। फोटो : हरिभूमि

हवा में नमी का स्तर 22 प्रतिशत तक रहा, जबकि हवाओं की रफ्तार 15 किलोमीटर प्रति घंटा रही

अभी उमस भरी गर्मी करेगी परेशान

मौसम विभाग के अनुसार विक्षोभ की सक्रियता के चलते मौसम कुछ दिन तक परिवर्तनशील बना रह सकता है। आगामी दिनों में एक बार फिर बादलों और तेज हवाओं के साथ बूंदाबांदी से लेकर हल्की बारिश तक हो सकती है। इस सप्ताह के अंत तक मौसम में बार-बार बदलाव देखने को मिलेगा। बीच में तापमान में मामूली उतार-चढ़ाव आएगा, लेकिन उमस भरी से गर्मी से अभी राहत नहीं मिलेगी।

फिर बढ़ने लगी बिजली की खपत

दो दिन पहले हुए तेज बरसात से पावर हाउसों से बिजली का लोड कम हो गया, जिससे बिजली की दैनिक खपत कम होकर 80 लाख यूनिट से भी नीचे आ थी। अब तापमान में बढ़ोतरी के साथ बिजली का लोड फिर से बढ़ना शुरू हो गया है। दिन के समय कूलरों की हवा भी गर्म होती जा रही है।

पुरानी रंजिश के चलते होटल मालिक पर हमला, धमकी देकर बदमाश फरार

■ बीच-बचाव करने आए कर्मचारी पर आरोपियों ने चलती भट्ठी का उबलता पानी डाला

रेवाड़ी। अस्पताल में उपचाराधीन विकास।

रेवाड़ी। शहर की कम्प्यूटर मार्केट में कार में आए चार बदमाशों ने होटल मालिक पर बेसबॉल बैट और लात-घूसों से हमला कर घायल कर दिया। बीच-बचाव करने आए कर्मचारी पर आरोपियों ने चलती भट्ठी का उबलता पानी डाल दिया। शोर सुनकर आसपास लोगों के एकत्रित होने पर आरोपी धमकी देते हुए फरार हो गए। लोगों ने दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया। होटल मालिक विकास तलवार ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया है। सूचना के बाद पहुंची मॉडल टाउन थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी। मामला पुरानी रंजिश का बताया जा रहा है। 11 बजे होटल बंद करने की तैयारी कर रहे थे। इस दौरान होटल कर्मी बिजेंद्र व कर्ण सिंह भी उसके साथ थे। इसी दौरान एक कार आकर रूकी और उससे उतरे दो लोगों ने उतरकर अचानक उन पर हमला कर दिया। हमलावरों ने उन्हें धमकी दी कि पहले का हिसाब आज पूरा करेंगे। अचानक हुए हमले से वह जमीन पर गिर गया, जिसके बाद उस पर बैट व लात-घूसे चलने लगे। होटल कर्मचारी बिजेंद्र ने उसे छुड़वाने का प्रयास किया तो आरोपियों ने उस पर उबलता पानी डाल दिया।

दो महीने पहले हुआ था विवाद: *विकास ने बताया कि करीब दो माह पहले उसका संजय मलिक व हितेश के साथ बस स्टैंड पर किसी बात को लेकर विवाद हो गया था, जिसके बाद उनका समझौता भी हो गया था। इसी रंजिश के चलते संजय व हितेश ने अपने दो साथियों के साथ उन पर हमला किया। मॉडल टाउन थाना पुलिस ने 2 को नामजद कर केस दर्ज करने के बाद मामले की जांच शुरू कर दी।*

पिछले सप्ताह सुप्रसिद्ध बाल साहित्यकार क्षमा शर्मा ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित स्टोरी टेलिंग सेशन के दौरान एक कहानी बुनकर बच्चों को सुनाई, बच्चों ने खूब आनंद लिया। **हरिभूमि (बालभूमि)** के आग्रह पर क्षमा जी ने वो कहानी हमें लिख कर दी है। यह कहानी उस राक्षस और बच्चों की है, जो बच्चों की टॉफियां लेकर भाग जाता है। निडर बच्चे उस राक्षस से अपनी टॉफियां लेने के लिए उसका पीछा आसमान तक करते हैं। इस बीच बच्चों की मुलाकात एक बहुत प्यारी सी मछली से होती है, जो उन्हें सुरक्षा देती है। इस दरमियान बच्चों को जो मीठे-प्यारे और साहसिक अनुभव होते हैं, वे बहुत ही रोमांचक हैं। बच्चो, तुम भी इस कहानी का मजा लो।

हिप-हिप हुर्रे...

कहानी
क्षमा शर्मा

मेरे प्यारे बच्चो, आज मैं तुम्हें जो कहानी सुनाने जा रही हूं, बहुत ही मजेदार है, तो सुनो- सोनपुर कस्बे के एक घर में अपने दो बेटों के साथ दादी रहती थीं। उनके बड़े बेटे के एक बच्ची अनाया और बेटा आरव था, छोटे बेटे के बच्चों का नाम लव और कुश था। गर्मी की छुट्टियां चल रही थीं। बच्चों की दादी और मम्मी-पापा नहीं चाहते थे, बच्चे हरदम मोबाइल और कंप्यूटर में उलझे रहें। दादी हर सुबह बच्चों के साथ मिलकर कोई न कोई ऐसा काम करतीं, जिसमें उन्हें मजा आए। एक दिन उन्होंने बच्चों से पेंटिंग करवाई। चारों में से आरव ने बंदर, शेर और जंगल बनाया, अनाया ने एक तालाब में ढेर सारे कमल खिलाए। वहां मछलियां भी तैर रही थीं। लव ने एक राक्षस बनाया, जो आसमान में उड़ा जा रहा था और कुश, उसने तो एक ऐसी दुकान बनाई, जिसमें बस रंग-बिरंगी टॉफियां भरी थीं।

अगले दिन दादी बच्चों से बोलीं कि तुम लोगों ने बहुत अच्छी पेंटिंग्स बनाई हैं, सभी को ईनाम में टॉफी मिलेगी। वे टॉफी का पैकेट लेकर आईं और सामने की मेज पर रख दिया। तभी दीवार से कूदकर एक बंदर आया और टॉफी के पैकेट को लेकर ये गया और वो गया। दादी चिल्लाईं, 'ओह, ये मुआ राक्षस फिर से आ गया।'

'मगर दादी वह राक्षस कहां, वह तो बंदर था।' आरव बोला। 'तुम्हें नहीं मालूम, यह राक्षस ही है। रूप बदल-बदलकर आता है। इसे टॉफी-चॉकलेट बहुत पसंद हैं। लगता है मुझे ही इसका पीछा करके टॉफी का पैकेट वापस लाना पड़ेगा।' कहती हुई दादी अंदर गईं और अपनी कई साड़ियां उठाकर ले आईं। उसकी एक रस्सी बनाकर उन्होंने हवा में उछाला, तो वह किसी डंडे की तरह सीधी खड़ी हो गई। बच्चे आश्चर्य से देखने लगे। फिर दादी बोलीं, 'अब मैं इस रस्सी के सहारे चढ़कर आसमान में जाती हूं। देखती हूं, राक्षस मुझसे बचकर कहां जाता है?'

यह सुनकर बच्चे चिंतित हो गए। दादी तो बूढ़ी हैं। कहीं ऊपर से गिर गईं, तो क्या होगा? आरव बोला, 'दादी आप नहीं, हम उसे ढूंढ़ने जाएंगे।'

लव ने आरव की बात का समर्थन किया, 'हां, यही ठीक रहेगा।' कुश भी साथ चलने को तैयार हो गया। अनाया कहने लगी, 'मैं भी जाना चाहती हूं, लेकिन कहीं हम गिर गए तो!'

'चल तू हमारे साथ, गिर कैसे जाएगी। हम सब रस्सी को पकड़े होंगे और तुझे भी पकड़े रहेंगे।' आरव बोला।

बस फिर क्या था, बच्चे एक-एक करके रस्सी पर चढ़ गए। रस्सी हवा में ऐसे उड़ने लगी जैसे कोई पंछी। दादी ने उनको बॉय..बॉय कहा। वे तब तक उन्हें हवा में जाते देखती रहीं, जब तक बच्चे आंखों से ओझल न हो गए।

बच्चे उड़े जा रहे थे। आगे-आगे वही बंदर, जो टॉफी का पैकेट लेकर भागा था। पृथ्वी दूर रह गई थी। यहां से सारे पेड़, ऊंची इमारतें, बहुत छोटे-छोटे नजर आ रहे थे। तभी कमाल हुआ। बंदर गायब था। अब उनके आगे बड़े-बड़े बालों वाला, काले रंग का भारी-भरकम एक राक्षस उड़ रहा था। उसने पीछे मुड़कर बच्चों को देखा और जोर से ठहाका लगाया। उसके बड़े-बड़े दांत और सींग देखकर बच्चे डर गए, लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। राक्षस उन्हें टॉफी का पैकेट दिखाकर चिढ़ाता। कभी इधर उड़ता, तो कभी उधर। उसके पीछे-पीछे रस्सी भी उड़ी चली जाती, जिसके सहारे बच्चे लटके थे।

तभी एकाएक जोरदार धमाका हुआ। चारों ओर धुआं फैल गया, अंधेरा छा गया। बच्चों को लगा कि कहीं वे रास्ता भूलकर धरती की तरफ ही न चले जाएं। जब धुआं छंटा, अंधेरा कम हुआ, तो राक्षस कहीं नजर ही नहीं आया। बच्चे हक्के-बक्के हो गए, आखिर राक्षस कहां गया! यहां तो कोई घर या झोपड़ी भी दिखाई नहीं दे रही थी। हर तरफ बस बियाबान। कहां ढूंढें उसे? अचानक रस्सी ऊपर की ओर उड़ने की बजाय नीचे की तरफ उतरने लगी। रस्सी ने उन्हें एक नदी के किनारे उतार दिया और खुद गोल घेरा बनाकर सिमट गई। अनाया बोली, 'रस्सी को शायद पता है कि राक्षस यहीं कहीं है।'

'यह रस्सी जादुई है। मगर दादी के पास आई कहां से, उन्होंने इसके बारे में कभी बताया भी नहीं।' लव बोला।

चारों बच्चे नदी के किनारे बैठ गए, तभी उन्हें मीठे गाने की आवाज सुनाई दी। घुंघरू की आवाजें भी। वे समझ नहीं सके कि धरती पर हैं या आसमान में। तभी अचानक नदी के बीच छपाक-छपाक की आवाज सुनाई दी। आरव डरकर खड़ा हो गया। बोला, 'कहीं कोई मगरमच्छ तो नहीं बढ़ा चला आ रहा?' लेकिन तभी पानी के ऊपर एक लाल सिर दिखाई दिया, वह एक बड़ी-सी मछली थी। किनारे पर आकर बोली, 'बच्चो, यहां तुम क्यों आए हो?'

सभी एक सुर में बोले, 'हम उस राक्षस को ढूंढ़ रहे हैं, जो हमारा टॉफी का पैकेट लेकर भाग गया है।' सुनकर मछली को आश्चर्य हुआ, 'अरे, एक टॉफी के पैकेट के पीछे तुम इतनी दूर तक चले आए, दूसरा ले आते।'

बच्चे बोले, 'नहीं, गुस्सा इस बात पर है कि राक्षस अगर टॉफी खाना चाहता था, तो वह दादी से मांग लेता, लेकर भागा क्यों? किसी की चीज इस तरह हड़प लेना तो बुरी बात है न।' मछली बोली, 'हां ये तो सही कहा तुमने। लेकिन तुम लोगों ने जब राक्षस का पीछा किया तो वह गायब हो गया होगा।' लव जोर से बोला, 'हां, बिल्कुल यही हुआ!'

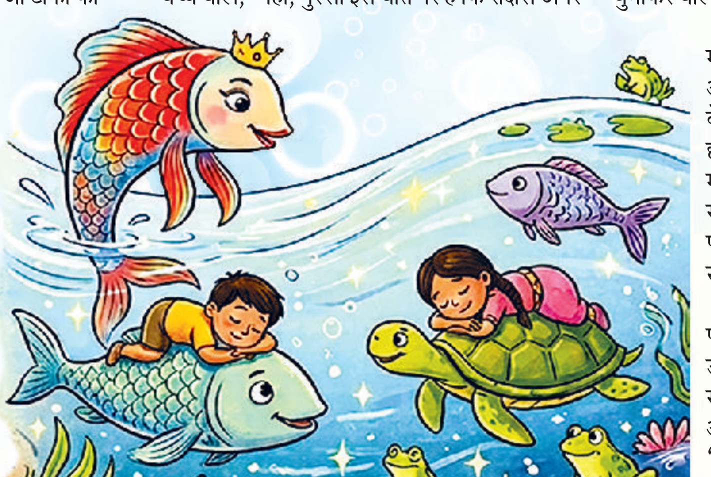

'मगर अब तो वह गुफा के अंदर चला गया होगा। उसकी गुफा का दरवाजा उसके अलावा कोई और नहीं खोल सकता। वह मजबूत पत्थर से बना है।' मछली ने बताया।

'तो अब हम क्या करें?' बच्चे बोले।

'तुम्हें सुबह का इंतजार करना होगा।' मछली ने कहा।

'सवेरे तक! तो क्या हम वापस जाकर फिर से आएं? यहां तो कैसे रहेंगे? हमें भूख लगी है। रात में सोएंगे कहां? अगर राक्षस रात में गुफा से बाहर निकल आया तो?' बच्चे एक-एक करके पूछने लगे।

'उसकी चिंता तुम मत करो। मैं यहां की रानी हूं। तुम रात भर यहीं रहना, जो चाहोगे वह खाना। बस तुम्हें पानी के अंदर रहना होगा, जिससे कि राक्षस अगर बाहर भी आए, तो उसकी नजर तुम पर न पड़े।' मछली जैसे बच्चों की दोस्त बन गई थी। 'लेकिन हम पानी के अंदर सोएंगे कैसे? हमारा तो दम घुट जाएगा।' अनाया गोल-गोल आंखें घुमाकर बोली।

'इस नदी में मुझ जैसे ही बड़े-बड़े कछुए, मेंढक, केकड़े और दूसरी मछलियां हैं। तुम आराम से रातभर उनकी पीठ पर सोना। खाने के लिए तुम्हारे लिए तरह-तरह के फल और हमारे यहां की विशेष मिठाइयां मिल जाएंगी।' मछली हंसते हुए बोली। मछली रानी की बात सुनकर सारे बच्चे खुश हो गए। उन्होंने खूब फल और मिठाई खाई। उन्हें पीने के लिए खुशबूदार शर्बत दिया गया।

उस रात बच्चे मछली, कछुए की पीठ पर इतनी गहरी नींद में सोए कि उन्हें पता ही नहीं चला कि कब सवेरा हो गया। तब मछली रानी और उनके मंत्री मेंढक ने कहा, 'बच्चो, सावधान! अब न तो तुम्हें पानी से मुंह बाहर निकालना है, न ही कोई बात करनी है, क्योंकि राक्षस के भी जागने का समय हो गया है।'

मेंढक की बात सच हुई। थोड़ी ही देर में बच्चों को धम-धम की आवाज सुनाई दी। राक्षस नदी की तरफ ही बढ़ा चला आ रहा था। वह जोर-जोर से हंस रहा था। कह रहा था, 'मुझे सब पता है कि तुम कहां छिपे हो? अब बचकर कहां जाओगे बच्चू। अभी तुम्हारा भुरता बनाता हूं।'

फिर राक्षस नदी के किनारे घूमने लगा। 'हा-हा..' करके हंसता जाता। नदी के अंदर छिपे बच्चों को डर भी लगा, लेकिन मछली, मेंढक और केकड़े ने उन्हें इशारे से ढांढस बंधाया। बहुत देर ढूंढ़ने के बाद राक्षस बोला, 'लगता है मेरा पीछा करते-करते थक गए और वापस चले गए। मुझे भी भूख लगी है। चलो धरती की तरफ शिकार करने जाता हूं।' एकाएक वह राक्षस एक विशालकाय शेर में बदल गया। फिर धीरे-धीरे नीचे पृथ्वी की ओर उतरने लगा।

राक्षस के जाते ही चारों बच्चे नदी से बाहर आ गए। मछली ने कहा, 'सामने कुछ दूर जाओ। फिर बाएं मुड़ो। वहीं राक्षस की गुफा है। देख लेना कि उसका दरवाजा खुला है कि नहीं। यदि नहीं खुला, तो फिर तुम उसे नहीं खोल पाओगे। मैं यहीं तुम्हारा इंतजार कर रही हूं।'

अनाया, आरव, लव, कुश गुफा की तरफ दौड़ पड़े। वहां पहुंचे तो जोर से चिल्लाए, 'हिप-हिप हुर्रे!' दरवाजे का पत्थर एक ओर पड़ा था। चारों तेजी से गुफा के अंदर पहुंचे, लेकिन वहां बहुत अंधेरा था। वे छू-छूकर टॉफी का पैकेट ढूंढ़ने लगे। कभी उनके हाथ कोई हड्डी लगती, तो कभी बाल, तो कभी कोई कपड़ा। अचानक एक पोटली आरव को मिली। हो सकता है कि टॉफी उसी में हो। वे उसे लेकर बाहर आए। लेकिन यह क्या, पोटली में तो बेशुमार रत्न, अशर्फियां और सोने-चांदी के जेवर थे। उन्हें देखकर बच्चे बहुत खुश हुए।

'इनसे तो न जाने कितनी टॉफियां खरीदी जा सकती हैं। लेकिन नहीं, पता नहीं, यह खजाना किसका है। हो सकता है, वह भी कभी इसे ढूंढ़ता हुआ इधर आए। यूं भी पापा-मम्मी और दादी कहते हैं कि कभी किसी दूसरे की चीज नहीं लेनी चाहिए।' बच्चे जरा भी नहीं ललचाए, पोटली गुफा के अंदर रखी और वापस नदी की तरफ आए। रानी मछली वहीं उनका इंतजार कर रही थी। बच्चों ने सारी बात उसे आकर बताई। वह मुस्कुराते हुए बोली, 'कोई बात नहीं। तुम धरती पर वापस जाओ। यह यात्रा तुम्हें हमेशा याद रहेगी।'

अचानक बच्चों ने देखा कि राक्षस के कारण जिस रस्सी ने अपने को छिपा लिया था, वह धरती की तरफ नीचे लटकी थी। बच्चों ने उसे पकड़ा तो वह तेजी से नीचे उतरने लगे। जल्दी ही वे अपने घर के आंगन में उतरे। सब उनका इंतजार कर रहे थे। सारी बात सुनकर दादी बोलीं, 'टॉफी का पैकेट तो ये रहा!' चारों बच्चों का मुंह खुला रह गया। अब बच्चों को दादी से यह सवाल पूछना था, जहाज की तरह उड़ने वाली रस्सी उनके पास आई कहां से? और क्या राक्षस टॉफी नहीं ले गया था? *

सभी इमेज एआई

कविता / नरेंद्र सिंह 'नीहार'

खरबूजे-तरबूजे

गर्मी की आहट होते ही,
निकल पड़े खरबूजे।
मीठी-मीठी प्यास जगाते,
गली-गली तरबूजे।
मम्मी रोज सुबह ले लेती,
काट-छाट कर हमें खिलाती।
मीठा गूदा, मीठा पानी,
घर-भर में खुशबू भर जाती।

खनिज विटामिन के प्याले,
मौसम के फल प्यारे-प्यारे।
छिलका बीज सभी गुणकारी,
पानी के छोटे रस धारे।
हरी पट्टियां धूसर धारी,
गोल-गोल से खरबूजे।
बाहर से ये हरे-हरे हैं,
लाल रसीले तरबूजे।

एआई इमेज

जीके क्विज-209

1. किस इंडियन चेस प्लेयर ने पहली बार नॉर्वे चेस टूर्नामेंट जीता है?
2. हाल ही में कर्नाटक के 18वें मुख्यमंत्री कौन बनाए गए हैं?
3. किस देश ने 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है?
4. कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 में किसे नए खेल के रूप में शामिल किए जाने की घोषणा की गई है?
5. देश के वर्तमान रेल मंत्री कौन हैं?
6. वायुमंडल में सबसे हल्की गैस कौन-सी है?
7. 1905 में बंगाल विभाजन किस ब्रिटिश वायसराय द्वारा किया गया?
8. विटामिन E का रसायनिक नाम क्या है?
9. बृहस्पति ग्रह के सबसे बड़े उपग्रह का नाम क्या है?
10. विश्व संगीत दिवस कब मनाया जाता है?

बच्चो, जीके क्विज-209 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-208 का उत्तर : 1 ऑक्सीजन, 2. सुंदरलाल बहुगुणा, 3. कार्बन डाईऑक्साइड, 4. ओजोन परत, 5. सल्फर डाईऑक्साइड और नाइट्रोजन ऑक्साइड, 6. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, 7. वैभव सूर्यवंशी, 8. सिक्किम, 9. फिनलैंड, 10. जनरल एन.एस. राजा सुब्रमणि

जीके क्विज-208 का सही उत्तर देने वाले : वर्णिका-खैरागढ़, तेजस्विनी-बिलासपुर, अंशिका-रायपुर, कुसुम-बिलासपुर, कबीर-हिसार, सुशांत-रोहतक

एंज्वॉयमेंट
शिखर चंद जैन

बच्चो, आजकल तुम्हारी गर्मी की छुट्टियां चल रही हैं। लेकिन दिन के समय बाहर जाकर खेलने से तुम बीमार हो सकते हो। ऐसे में तुम अपने भाई-बहन या फ्रेंड्स के साथ घर में ही वर्ड या पजल गेम्स खेल सकते हो। इन्हें खेलने में तुम सबको मजा तो आएगा, तुम इंटेलिजेंट और स्मार्ट भी बनोगे।

ये वर्ड गेम्स-पजल एक्टिविटीज तुम्हें बनाएंगे इंटेलिजेंट-स्मार्ट

बच्चो, हम तुमको कुछ ऐसे मजेदार वर्ड गेम्स और पजल एक्टिविटीज के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें तुम घर के भीतर ही खेल सकते हो। ये इंटरेस्टिंग तो हैं ही इनसे ब्रेन की एक्सरसाइज होती हैं, जिससे तुम इंटेलिजेंट भी बनोगे।

क्रॉसवर्ड: क्रॉसवर्ड एक स्क्वायर ग्रिड होता है, जिसमें सफेद और काले छोटे-छोटे स्क्वायर बने होते हैं। हल करने के संकेतों को दो श्रेणियों में बांटा जाता है, क्रॉस (बाएं से दाएं) और डाउन (ऊपर से नीचे)। तुम्हें संकेतों को पढ़कर सही शब्द का अनुमान लगाना होता है और हर सफेद खाने में एक अक्षर भरना होता है। सभी शब्द एक-दूसरे को काटते हैं, इसलिए एक शब्द का सही अक्षर दूसरे शब्द को हल करने में मदद करता है। क्रॉसवर्ड शब्दावली यानी वर्ड पॉवर बढ़ाने और तर्कशक्ति को तेज करने का बेहतरीन तरीका माना जाता है। न्यूज पेपर्स, कुछ मैगजींस के अलावा क्रॉसवर्ड बुक्स में तुमको यह गेम मिल जाएगा। आधुनिक क्रॉसवर्ड का आविष्कार ब्रिटिश पत्रकार आर्थर वाईन ने किया था। पहली क्रॉसवर्ड पहेली 21 दिसंबर, 1913 को 'न्यूयॉर्क वर्ल्ड' अखबार में प्रकाशित हुई थी।

एआई इमेज

एनाग्राम: इसमें किसी शब्द के अक्षरों को आगे-पीछे करके एक नया सार्थक शब्द बनाना होता है। एनाग्राम में तुम्हें एक शब्द दिया जाता है। तुमको उस शब्द के सभी अक्षरों का उपयोग करना होता है न कोई अक्षर छोड़ना है और न ही नया अक्षर जोड़ना है। उन अक्षरों को इस तरह व्यवस्थित करना होता है कि एक नया सार्थक शब्द बन जाए। जैसे- अंग्रेजी के वर्ड 'साइलेंट' से 'लिसन' बनाना। यह एक्टिविटी वड्र्स की स्पेलिंग की बारीकियों को समझने और रचनात्मक सोच विकसित करने में मदद करती है।

वर्ड सर्च: इसमें अक्षरों के एक अस्त-व्यस्त जाल में तुम्हें नीचे दिए गए शब्दों को खोजना होता है। इसमें शब्द क्षैतिज (हॉरिजंटल), ऊर्ध्वाधर (वर्टिकल) या तिरछे (डायगोनल) छिपे हो सकते हैं। वर्ड सर्च पजल को सबसे पहले 1968 में ओक्लाहोमा के नॉर्मन ई. गिबट ने बनाया था। उन्होंने इसे स्थानीय अखबार के लिए तैयार किया था ताकि बच्चों को शब्दों की पहचान करने में आसानी हो। यह पजल बच्चों में 'पैटर्न रिकग्निशन' (आकृतियों की पहचान) और कंसंट्रेशन बढ़ाने के लिए बहुत अच्छा माना जाता है।

वर्ड लेडर: इसमें तुम्हें एक शुरुआती वर्ड और एक टारगेट वर्ड दिया जाता है। दोनों की लंबाई समान होनी चाहिए। हर स्टेप पर तुम केवल एक अक्षर बदल सकते हो। अक्षर बदलने के बाद जो नया शब्द बने, वह भी मीनिंगफुल होना चाहिए। इस खेल का लक्ष्य है, कम से कम स्टेप्स में टारगेट वर्ड तक पहुंचना। इसका आविष्कार 1877 में 'एलिस इन द वंडर वर्ल्ड' के लेखक लुईस कैरोल ने किया था। उन्होंने इसे 'डबलेट्स' नाम दिया था। यह एक्टिविटी तार्किक सोच और शब्दों के बीच के सूक्ष्म अंतर को पहचानने की शक्ति बढ़ाती है। *

तुम्हारे लिए नई किताब / शिव मोहन यादव

रोचक-प्रेरक कहानियां

बच्चो, हाल में छपकर आया लेखिका अलका प्रमोद का कहानी-संग्रह 'मोबाइल बना सिरदर्द' बहुत मजेदार और सीख देने वाला है। संग्रह में कुल दस कहानियां हैं। कहानी 'मोबाइल बना सिरदर्द' में आदीप नाम का होशियार लड़का है, जो इतना मोबाइल चलाता है कि उसकी आंखें कमजोर हो जाती हैं और सिर में दर्द रहने लगता है। डॉक्टर भी उसे मोबाइल से दूर रहने की सलाह देते हैं। तब दादी की कहानियां सुनकर उसकी मोबाइल चलाने की लत छूटती है। वह समझ जाता है कि मोबाइल का अधिक इस्तेमाल कितना हानिकारक हो सकता है। 'भूत भाग गया' कहानी में पीहू समेत मम्मी-पापा परेशान थे कि घर से खाने की चीजें कैसे गायब हो जाती हैं। पापा ने जब पूरी बात सुनी तो उन्होंने रसोई में सीसीटीवी कैमरा लगवा दिया। यह कहानी अंधविश्वास और डर का पर्दाफाश करती है। 'रोटी का मूल्य' कहानी में अक्षिता एक भूखे बच्चे की मदद के लिए घर से ज्यादा भोजन ले जाती है। इस काम के लिए उसकी प्रिंसिपल भी उसकी तारीफ करती हैं। 'एक और उपहार' कहानी पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करती है।

कुल मिलाकर संग्रह की सभी कहानियां रोचक और प्रेरक हैं। कहानियों की भाषा सरल और सहज है। इन कहानियों के साथ बने चित्र भी तुमको बहुत पसंद आएंगे। *

किताब: मोबाइल बना सिरदर्द, **लेखिका:** डॉ. अलका प्रमोद,
मूल्य: 240 रुपए, **प्रकाशक:** अद्विक पब्लिकेशन प्रा. लि., दिल्ली

अंतर बताओ

बच्चो, यहां पेड़ पर बैठे लेमर के दो चित्र दिए गए हैं। एक जैसे दिख रहे इन दोनों चित्रों में छह अंतर हैं। तुम जल्दी से इन दोनों चित्रों में छह अंतर ढूंढ कर बताओ।

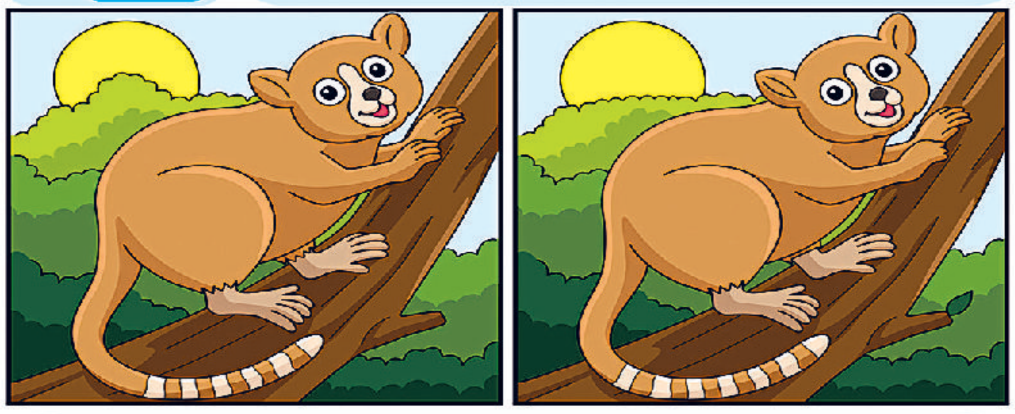

उत्तर: 1 पीछे सूरज का अधिक हिस्सा दिख रहा है। 2. लेमर के दाएं कान में दो धारियां बनी हुई हैं। 3. लेमर की पूंछ में अधिक धारियां बनी हुई हैं। 4. लेमर के पिछले बाएं पैर की स्किन जिग-जैग न होकर सीधी है। 5. लेमर के अगले दाएं पैर की अंगुलियां मुड़ी हुई हैं। 6.दाईं तरफ पेड़ के तने से निकल रही शाखा में एक पत्ती भी है।

सही मिलान करो

बच्चो, यहां ऊपर एक कब (लिटिल टाइगर) के चार अलग-अलग चित्र दिए गए हैं। नीचे उन चित्रों की परछाइयां दी गई हैं, जो सीक्वेंस में नहीं हैं। तुम पेंसिल या पेन की सहायता से प्रत्येक चित्र के साथ उसकी सही परछाई का मिलान करो।

उत्तर: 1-C, 2-D, 3-A, 4-B

खबर संक्षेप

व्यापर मंडल के प्रधान व उपप्रधान का अभिनंदन

नांगल चौधरी। अनाज मंडी में व्यापारी नेता बिक्रम मंढानिया की अध्यक्षता में व्यापारियों की बैठक हुई, जिसमें व्यापार मंडल के नवनियुक्त प्रधान प्रहलाद पहलवान व उपप्रधान मोतीलाल सेठ का अभिनंदन किया गया। इस दौरान व्यापारियों की विभिन्न समस्याओं पर मंथन करके समाधान की रूपरेखा बनाई। उन्होंने कहा कि नवनियुक्त प्रधान प्रहलाद पहलवान लंबे समय से व्यापारियों के हितों के लिए संघर्ष करते रहे हैं। उन्होंने जिला प्रधान संदीन नूनीवाल समेत प्रदेश कार्यकारिणी का आभार जताया।

पूर्व एसईपीओ कौशिक का आकस्मिक निधन

महेंद्रगढ़। प्रमुख समाजसेवी एवं भूतपूर्व समाज शिक्षा एवं पंचायत अधिकारी रघुबीर प्रसाद कौशिक

का 84 वर्ष की आयु में उनके पैतृक गांव झगडोली में स्वर्गवास हो गया। सन 2000 में सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने अपना सारा ध्यान सामाजिक सेवाओं पर केंद्रित किया। निधन पर गांव के सरपंच दिनेश सोनी, दिनेश चंद्र वैद्य, गजानंद शर्मा, नरेंद्र कौशिक, नरेश कुमार शर्मा, ओमप्रकाश सैनी, प्रवीण यादव, पूर्व सरपंच भंवर सिंह, राजेंद्र सोनी नंबरदार, राजवीर नंबरदार, कालूराम लाटा, सतीश लाटा आदि रहे।

मतदाता सूची पुनरीक्षण का शेड्यूल जारी

नारनौल। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अनुपमा अंजली के निर्देशानुसार वीरवार को पंचायत भवन में 71 नांगल चौधरी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के बीएलए दो की एक दिवसीय कार्यशाला का तीन चरणों में आयोजन किया। मास्टर ट्रेनर साकेत कुमार ने तिथियों के बारे में जानकारी देते हुए कहा 15 जून से 14 जुलाई तक बीएलओ द्वारा घर घर जाकर मतदाताओं को इन्युमरेशन फॉर्म वितरित किए जाएंगे और सर्वे किया जाएगा।

जन्मदिन पर रक्तदान शिविर लगाने से समाज को मिलेगी परोपकार की प्रेरणा

उड़ान जनसेवा ट्रस्ट व युवा साथी ग्रुप हरियाणा के कैंप में 101 यूनिट रक्त एकत्रित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नांगल चौधरी

नांगल चौधरी। शिविर में रक्तदाताओं को सम्मानित करते समाजसेवी डॉ. गजेसिंह चोपड़ा व गोसेवक सुधीर चौधरी। फोटो : हरिभूमि

युवा साथी ग्रुप हरियाणा एवं उड़ान जनसेवा ट्रस्ट ढाणी बाठोठा के सदस्य साहिल सिंगर व योगेश सैनी ने जन्मदिन पर रक्तदान शिविर लगाया। जिसमें महंत शीतलदास व महंत सुमित मुख्य रूप से मौजूद रहे। समाजसेवी सुधीर चौधरी व डॉ. गजेसिंह चोपड़ा ने रक्तदाताओं को बैज लगाकर सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने युवाओं को रक्तदान के लिए प्रेरित किया, जिससे बीमार व दुर्घटनाग्रस्त पीड़ितों का जीवन बच सकेगा।

उन्होंने कहा कि जन्मदिन पर केक काटने तथा महंगे गिफ्ट वितरित करने की परंपरा बनी है। जिससे सामाजिक रूतबा तो बढ़ सकता है, लेकिन सामाजिक एकता नहीं बढ़ पाएगी। इसके लिए सामुहिक विकास और सहयोगात्मक गतिविधियों को प्राथमिकता देना अनिवार्य है। युवाओं को परिवार में जन्मोत्सव या अन्य खुशियों के अवसर पर पौधारोपण व रक्तदान शिविर का आयोजन करना चाहिए, क्योंकि बीमार या दुर्घटनाग्रस्त को सबसे पहले रक्त की जरूरत होती है, लेकिन रक्त मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध नहीं होता ना ही करोड़ों खर्च करके रक्त का उत्पादन किया जा सकता है। मानव के शरीर में रक्त का निःशुल्क उत्पादन होता है, जिनके डोनेट करने पर ही पीढ़ियों के जीवन की रक्षा हो पाएगी। उन्होंने कहा कि रक्तदान करने वालों को बीपी, हार्ट व मोटापा जैसी बीमारियों से निजात मिलती है, साथ ही रक्तदाता के शरीर में कोई कमजोरी या परेशानी नहीं होती। तीन महीने बाद जरूरत पड़ने पर दुबारा रक्तदान कर सकते हैं, क्योंकि शारीरिक तंत्रों द्वारा एक महीने में ही पूर्ति कर ली जाती है। उन्होंने बताया कि कैंप में सुबह आठ बजे पंजीकरण प्रक्रिया शुरू की गई, जिसमें 10 बजे तक 180 युवाओं ने रजिस्ट्रेशन कराया।

इनका रहा सहयोग

कार्यक्रम में प्रधान टिंकू, बिरेंद्र सिंह, दलीप सैनी, महेंद्र सैनी, बलबीर प्रधान, रामसिंह सैनी, लालाराम सैनी, जिला पार्षद प्रदीप शर्मा, बंटी एडवोकेट, राजू किलानिया, छविकांत, गौतम नंबरदार, मनीष सैनी, महावीर मिस्त्री ने सहयोग किया।

नारनौल। सचिवालय में एकत्रित हाइटेंशन से प्रभावित किसान। फोटो : हरिभूमि

मार्केट रेट प्रक्रिया आगे बढ़ाने का भरोसा मुआवजा मुद्दों के समाधान की उठी मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

■ खेतड़ी-नरेला हाईटेंशन लाइन प्रभावित किसानों की बैठक

जिला सचिवालय खेतड़ी-नरेला हाईटेंशन लाइन से प्रभावित किसानों की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में मार्केट रेट कमेटी के चेयरमैन एवं एसडीएम अनिरुद्ध यादव ने किसानों के साथ विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की और उन्हें आश्वस्त किया कि प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा दिलाने की दिशा में मार्केट रेट प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा।

बैठक में कमेटी के चेयरमैन अनिरुद्ध यादव ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि मार्केट रेट निर्धारण की प्रक्रिया निश्चित रूप से आगे बढ़ेगी तथा इस कार्य में पावरग्रिड की ओर से किसी प्रकार की बाधा नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने किसानों को धैर्य बनाए रखने और अपने दस्तावेजों को व्यवस्थित रखने का आग्रह किया।

इस दौरान किसान प्रतिनिधि मनोज कुमार (गुढ़ा) ने किसानों की ओर से अपनी बात रखते हुए कहा कि हाईटेंशन लाइन से प्रभावित मकानों, ट्यूबवेलों तथा अन्य संरचनाओं के मुआवजे के निपटारे को लेकर पावरग्रिड की ओर से अपेक्षित कार्रवाई नहीं की जा रही है। उन्होंने इस मामले में जल्द समाधान निकालने की मांग उठाई। मनोज कुमार ने प्रभावित किसानों से अपील की कि वे अपनी संपत्तियों की वैल्यूएशन से संबंधित सभी आवश्यक दस्तावेज और तथ्य एकत्रित करें, ताकि मुआवजे के दावों को मजबूती से रखा जा सके। उन्होंने किसानों से एकजुट रहकर अपने अधिकारों के लिए संघर्ष जारी रखने का भी आह्वान किया।

बैठक में रामनिवास पटोदा, मास्टर हवासिंह, मुकेश यादव, हवासिंह खेड़ा, सरपंच सुकर्मपाल, संदीप, श्याम बचिनी, रवींद्र, सोनू, अमित, जसवंत, ओमप्रकाश, प्रदीप गुढ़ा, अंकित चामधेड़ा, मदन सहित बड़ी संख्या में प्रभावित किसान मौजूद रहे। किसानों ने उम्मीद जताई कि प्रशासन और संबंधित एजेंसियां उनकी समस्याओं का जल्द समाधान कर उचित मुआवजा सुनिश्चित करेंगी।

आईजीयू और गीता ज्ञान संस्थान के बीच प्रचार-प्रसार के लिए हुआ एमओयू

एमओयू का उद्देश्य गीता आधारित शिक्षा, शोध और अकादमिक गतिविधियों को नई गति देना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मीरपुर

रेवाड़ी। आईजीयू में एमओयू का आदान-प्रदान करते प्रतिनिधि। फोटो : हरिभूमि

इंदिरा गांधी विवि और गीता ज्ञान संस्थान जीआईईओ गीता कुरुक्षेत्र के बीच गीता के प्रचार-प्रसार को लेकर एमओयू साइन हुआ है। आईजीयू से कुलपति प्रोफेसर असीम मिगलानी और जीआईईओ गीता की ओर से स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। एमओयू का उद्देश्य गीता आधारित शिक्षा, शोध और अकादमिक गतिविधियों को नई गति देना है। इसके साथ ही भगवद्गीता के शाश्वत ज्ञान को अकादमिक जगत से जोड़ते हुए विद्यार्थियों, शोधार्थियों और समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचाना है। इसके तहत दोनों संस्थाएं गीता के अध्ययन, शोध, प्रशिक्षण और प्रसार के लिए संयुक्त रूप से कार्य करेंगी तथा शैक्षणिक और संस्थागत सहयोग को मजबूत बनाएंगी। जीआईईओ गीता संस्थान से स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और जीवन मूल्यों का विकास भी होना चाहिए। गीता के अध्ययन को विश्वविद्यालयों और शिक्षण संस्थानों से जोड़ना एक सराहनीय और दूरदर्शी पहल है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि गीता ज्ञान संस्थानम और इंदिरा गांधी विवि के बीच हुआ समझौता युवाओं में नैतिकता, आध्यात्मिकता और राष्ट्रसेवा की भावना को मजबूती देगा। उन्होंने कहा कि इस सहयोग से विद्यार्थियों और शोधार्थियों को नए अवसर प्राप्त होंगे तथा भगवद्गीता के ज्ञान, दर्शन और जीवन मूल्यों के व्यापक प्रसार को नई ऊर्जा मिलेगी। जीआईईओ गीता सचिव मदन मोहन छाबड़ा ने बताया कि एमओयू के तहत दोनों संस्थाएं मिलकर भगवद्गीता पर आधारित अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक शैक्षणिक पाठ्यक्रम संचालित करेंगी। इसके तहत, भगवद्गीता से संबंधित सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी कार्यक्रमों के पाठ्यक्रमों में किसी प्रकार के संशोधन अथवा अन्य शैक्षणिक निर्णय लिए जाने की स्थिति में विश्वविद्यालय के बोर्ड ऑफ स्टडीज में गीता ज्ञान संस्थानम के कम से कम एक प्रतिनिधि को विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में शामिल किया जाएगा।

बोले कुलपति

कुलपति प्रो. मिगलानी ने बताया कि एमओयू के अनुसार इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय गीता संबंधी कार्यक्रमों और पाठ्यक्रमों के संचालन के लिए आवश्यक शैक्षणिक एवं आधारभूत संरचना उपलब्ध कराएगा। विश्वविद्यालय छात्रों को गीता अध्ययन और उससे जुड़ी गतिविधियों में भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करेगा। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों की सैद्धांतिक और प्रायोगिक परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर आईजीयू के कुलसचिव प्रोफेसर दिलबाग सिंह, अधिष्ठाता शैक्षणिक मामले प्रोफेसर सुनील कुमार, गीता अध्ययन एवं शोध केंद्र गीता ज्ञान संस्थानम के निदेशक प्रोफेसर विवेक कोहली तथा गीता अध्ययन एवं शोध केंद्र के संयोजक डा. तरुण शास्त्री मौजूद थे।

योग साधकों ने किया योगिंग-जॉगिंग और सूर्य नमस्कार का अभ्यास

रेवाड़ी। पतंजलि परिवार की ओर से चल रहे सहयोग प्रशिक्षण शिविर की शुरूआत वीरवार को हवन के साथ की गई। रामनिवास बेनीवाल राज्य कार्यकारिणी सदस्य ने योग साधकों को सबसे पहले योगिंग-जॉगिंग की 12 क्रियाएं और सूर्य नमस्कार का अभ्यास करवाया। उसके बाद ताड़ासन, गरुड़ासन, विमानासन, वृक्षशासन एवं मडूकासन और 8 प्राणायामों का अभ्यास कराया गया। इस मौके पर रामनिवास बेनीवाल ने कहा कि सभी को योग को अपनी दिन चर्या में शामिल करना चाहिए और कुछ समय के लिए जरूर योग करना चाहिए साथ ही सूर्य नमस्कार का अभ्यास भी अवश्य करना चाहिए। सूर्य नमस्कर की 12 क्रियाएं होती है, जो हमारे शरीर को चुस्त दुरुस्त रखती है और शरीर का आलस्य दूर हो जाता है।

केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर 20 जून तक होंगे विशेष कार्यक्रम

■ डीसी अभिषेक मीणा ने विशेष प्रचार एवं जन-जागरूकता अभियान को लेकर ली विभागों की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। सचिवालय में अधिकारियों की बैठक लेते हुए डीसी। फोटो : हरिभूमि

डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विशेष प्रचार एवं जन-जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसमें सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए 20 जून तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। डीसी ने अभियान को लेकर विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि 20 जून तक चलाए जाने वाले विशेष प्रचार एवं जन-जागरूकता अभियान को सफल बनाने के लिए रूपरेखा तैयार कर ली गई है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्धारित कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए तथा प्रत्येक गतिविधि की रिपोर्ट भी भिजवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य केवल प्रचार-प्रसार नहीं, बल्कि जनभागीदारी बढ़ाना और पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना भी है।

डीसी ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास परियोजनाओं तथा गत 12 वर्षों की उपलब्धियों को आमजन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाना है। बैठक में विशेष पौधारोपण अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। बैठक में डीएमसी ब्रह्मप्रकाश, एसडीएम सुरेश कुमार, एसडीएम बावल संजीव कुमार, सीटीएम जितेंद्र कुमार, डीडीपीओ नरेंद्र सारवान, डीआईपीआरओ बिजेंद्र कुमार, डीआईओ सचिन, डीईए जितेंद्र कुमार व डीपीओ शालू यादव सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

---

27 जुलाई को चलेगा गो-सम्मान अभियान, रूपरेखा की गई तैयार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ डहीना

डहीना खंड के गांव सीहा स्थित बाबा रामस्वरूपदास महाराज दादूपंथी आश्रम में वीरवार को गो-सम्मान अभियान को लेकर क्षेत्र के संत-महात्माओं एवं गोभक्तों की बैठक आयोजित की गई। बैठक महंत नरोत्तम दास के सानिध्य में संपन्न हुई, जिसमें आगामी 27 जुलाई को प्रस्तावित राष्ट्रीय स्तर के गो-सम्मान अभियान को लेकर चर्चा की गई। इस मौके पर महंत रामभजन दास कपूरी मंदिर ने बताया कि 27 जुलाई को देशभर की तहसीलों में एक साथ गो-सम्मान अभियान चलाया जाएगा। अभियान के तहत गोभक्त संबंधित तहसीलदारों को ज्ञापन सौंपेंगे। इस दौरान गो-संरक्षण और गो-सम्मान से जुड़ी जनभावनाओं को सरकार तक पहुंचाने के लिए हस्ताक्षर अभियान भी चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान गो हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने, गोचर भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराने तथा गो माता को राष्ट्रीय माता का दर्जा दिलाने की मांग की जाएगी। उन्होंने कहा कि गो संरक्षण केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से भी जुड़ा हुआ मुद्दा है।

रेवाड़ी। बैठक में उपस्थित संत-महात्मा। फोटो : हरिभूमि

एसआईआर प्रक्रिया पर कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नांगल चौधरी

बहरोड़ पर स्थित जाट धर्मशाला में कांग्रेस पार्टी के बूथ लेवल अधिकारियों व कार्यकर्ताओं की बैठक का आयोजन विधायक मंजू चौधरी की अध्यक्षता में किया गया। जिसमें रिटायर्ड आईएएस एवं भिवानी महेंद्रगढ़ परिक्षेक विनय सिंह यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। जिला प्रधान सतबीर झुकिया ने कार्यकर्ताओं को एकजुट व संगठित रहने के लिए प्रेरित किया।

परिक्षेक विनय सिंह यादव ने कार्यकर्ताओं को स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन एसआईआर की प्रक्रिया की जानकारी दी। कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदाता सूची का सही और पारदर्शी होना आवश्यक है। इसलिए, कार्यकर्ताओं को अपने अपने बूथ क्षेत्रों में मतदाता सूची के पुनर्निरीक्षण कार्य पर सतर्कता के साथ नजर रखना जरूरी है, यदि किसी भी प्रकार की अनियमितता संज्ञान में आती है, तो तुरंत संगठन तक पहुंचाएं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार जनता का विश्वास खो चुकी है और सत्ता में बने रहने के लिए विभिन्न हथकंडे अपना रही है।

नांगल चौधरी। कांग्रेस के बीएलओ व कार्यकर्ताओं को एसआईआर का प्रशिक्षण देते विनय सिंह यादव। फोटो : हरिभूमि

कार्यकर्ता पार्टी की रीढ : मंजू चौधरी

विधायक मंजू चौधरी ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ हैं और संगठन की मजबूती बूथ स्तर से ही शुरू होती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को सुनने तथा पार्टी की नीतियों को घर घर तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में किसी भी पात्र व्यक्ति का नाम छूटना नहीं चाहिए और ना ही किसी अपात्र व्यक्ति का नाम शामिल होना चाहिए। बैठक में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सत्यपाल दहिया, होशियार रावत समेत कांग्रेस के अनेक पदाधिकारी, बीएलओ व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महेंद्रगढ़। औचक निरीक्षण के दौरान कर्मचारियों से बात करते हुए। फोटो : हरिभूमि

एसडीएम ने कार्यालयों का किया औचक निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

एसडीएम योगेश सैनी ने वीरवार को लघु सचिवालय स्थित तहसील कार्यालय, पशुपालन एवं डेयरी, महिला एवं बाल विकास तथा रोजगार कार्यालय का औचक निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने विभागों की कार्यप्रणाली, कर्मचारियों की उपस्थिति तथा आमजन को प्रदान की जा रही सेवाओं का जायजा लिया। एसडीएम ने निरीक्षण के दौरान हाजिरी रजिस्टर की जांच की तथा अधिकारियों से विभागीय कार्यों की प्रगति की जानकारी प्राप्त की।

उन्होंने अनुपस्थित पाने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों की छुट्टी लगाई व विभागीय कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यालयों में अनुशासन, साफ-सफाई तथा रिकॉर्ड के सुव्यवस्थित रखरखाव पर विशेष ध्यान दिया जाए।

संदीप चाहर ने राज्य स्तरीय शूटिंग में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

महेंद्रगढ़। पीआरबीएस लॉ कॉलेज के छात्र संदीप चाहर ने नई दिल्ली के तुगलाबाद स्थित डॉ. करण सिंह शूटिंग रेंज में आयोजित 11वीं हरियाणा राज्य स्तरीय शूटिंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर कॉलेज और जिले का नाम रोशन किया है। गत 2 जून से 12 जून तक आयोजित इस प्रतियोगिता में संदीप चाहर ने शूटिंग के दो विभिन्न इवेंटों में भाग लेते हुए उत्कृष्ट स्कोर प्राप्त किया। उनकी इस उपलब्धि पर पीआर बीएस लॉ कॉलेज के डायरेक्टर एवं महेंद्रगढ़ कोऑपरेटिव बैंक के चेयरमैन राजेंद्र शर्मा उर्फ राजू शर्मा ने उन्हें बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

एकादशी व्रत | **गढ़ी बोलनी रोड स्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर में कथा का चौथा दिन**

तीन साल में एक बार आने वाली परमा एकादशी का व्रत प्रत्येक मनुष्य अवश्य करे : आचार्य लखन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। भागवत कथा का वाचन करते लखन महाराज तथा कथा में मौजूद महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

शहर के गढ़ी बोलनी रोड स्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर में कथा के चौथे दिन आचार्य लखन महाराज ने परमा एकादशी के महत्व पर प्रकाश डाला। आचार्य ने कहा कि 3 साल में एक बार आने वाली परमा एकादशी का व्रत प्रत्येक मनुष्य को अवश्य करना चाहिए। यह व्रत भगवान को संकल्प कर, उपवास धारण कर, भगवान के नाम का जाप कीर्तन करते हुए करना चाहिए। पुरुषोत्तम मास में आने वाले इस एकादशी व्रत का अत्यधिक महत्व धार्मिक ग्रंथों में कहा गया है। व्रत करने के साथ ही कम से कम यह संकल्प भी लेना चाहिए कि एकादशी के दिन झूठ नहीं बोलेंगे, क्रोध नहीं करेंगे तथा किसी की बुराई भी नहीं करेंगे। कलयुग में ऐसा संकल्प लेकर श्री लक्ष्मी नारायण भगवान को समर्पित व्रत एकादशी का विशेष महत्व है और इसे धारण करने के लिए संयमित एवं समर्पित भाव रखना चाहिए। इसके साथ ही लखन महाराज ने माता सती की कथा का वर्णन किया, जिसमें माता सती के अंगों के गिरे होने से निर्मित तीर्थ स्थान के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ऋषि कर्दम, जो ब्रह्मा जी के मानस पुत्र थे, जिनका विवाह देवहूति से हुआ था। उनके नौ कन्या हुईं, जिनमें सभी कन्याओं का विवाह ऋषियों के साथ हुआ और जिनसे सृष्टि का निर्माण हुआ। कन्या कला का विवाह मरीचि ऋषि से, अनसुया का अत्रि ऋषि से, श्रद्धा का अंगिरा ऋषि, हविर्भू का पुलस्त्य, गति का पुलह ऋषि, क्रिया का कृतु ऋषि, ख्याति का भृगु ऋषि, अरुंधति का वशिष्ठ ऋषि तथा शांति का अथर्वा ऋषि से विवाह हुआ था। भागवत कथा में इसका विशेष उल्लेख किया गया है।

ये रहे उपस्थित

इस मौके पर राधेश्याम गुप्ता, रमेश सचदेवा, रमेश शर्मा, पुजारी प्रकाश मिश्रा, शक्ति यादव, अनिल किसनानी, लक्ष्मण अग्रवाल, राज गर्ग, दीपक भारद्वाज, कैलाश भारद्वाज, अश्वनी तिवारी व नरेश यादव सहित अनेक श्रृद्धालु मौजूद थे।

गांव के सरपंच अशोक कुमार ने प्रशासन से पीएचसी के अधूरे पड़े काम को जल्द से जल्द पूरा कराने की मांग की

एक साल से अधर में लटका पीएचसी आंकेड़ा का कार्य, एजेंसी का एग्रीमेंट निरस्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धारूहेड़ा

धारूहेड़ा क्षेत्र के गांव आंकेड़ा में पीएचसी और आवासीय परिसर का निर्माण कार्य पिछले एक साल से अधर में लटका हुआ। ग्रामीणों को स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गांव के सरपंच अशोक कुमार ने प्रशासन से पीएचसी के अधूरे पड़े काम को जल्द से जल्द पूरा कराने की मांग की है। वही लोक निर्माण विभाग के कागजातों से खुलासा हुआ है कि इस परियोजना की धीमी चाल के कारण इसकी लागत में काफी इजाफा हो चुका है। पीडब्ल्यूडी विभाग ने अब इसका संशोधित बजट बनाकर मंजूरी के लिए निदेशालय भेजा है। सरकारी कागजातों के अनुसार स्वास्थ्य विभाग की ओर से पीएचसी के निर्माण के लिए 20 जून 2018 को 3 करोड़ 24 लाख 46 हजार की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई थी। इसके बाद 5 सितंबर 2019 को मेसर्स गर्ग एंड कंपनी को 3 करोड़ 16 लाख 28 हजार में इसका कार्य दिया गया, लेकिन एजेंसी की ओर से पीएचसी का कार्य बीच में ही रोक दिया गया, जिसके बाद विभाग ने 12 मई 2025 को एजेंसी का एग्रीमेंट निरस्त कर दिया था। उसके बाद पिछले एक साल से पीएचसी का कार्य बंद पड़ा हुआ है।

पीएचसी का 3.24 करोड़ का प्रोजेक्ट बढ़कर 8.63 करोड़ पर पहुंचा

रेवाड़ी। आंकेड़ा में अधूरा पड़ा पीएचसी का कार्य। फोटो : हरिभूमि

फिलहाल अभी पीएचसी का कार्य चालू नहीं हो पाया

पीएचसी का कार्य बंद होने के बाद पीडब्ल्यूडी के कार्यकारी अभियंता की ओर से कमेटी का गठन किया गया, जिसने मौके पर बचे हुए काम का मूल्यांकन किया, जिसके बाद विभाग ने 2025 के अंत में सिविल, इलेक्ट्रिकल, हॉर्टिकल्चर व जनस्वास्थ्य विभाग के कार्यों को मिलाकर 8.63 करोड़ का नया संशोधित एस्टीमेट तैयार किया। फिलहाल अभी पीएचसी का कार्य चालू नहीं हो पाया है।

पानी की बर्बादी रोकने के लिए जन स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

चार गांवों के 45 लोगों को थमाए नोटिस

पेयजल कनेक्शन पर टोंटियां नहीं लगाई तो जल्द ही काटे जाएंगे कनेक्शन

पीने के पानी को खेती व बागवानी में काम में न लें

रेवाड़ी। अभियान के दौरान लोगों को नोटिस देते हुए विभाग के कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

गर्मी के मौसम में लोगों को पेयजल की किल्लत से राहत देने के लिए जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग अलर्ट हो गया है। विभाग की ओर से पानी की बबार्दी रोकने के लिए गांवों में जल संरक्षण की मुहिम चलाई जा रही है। वीरवार को कनिष्ठ अभियंता सुमित यादव की देखरेख में गांव फदनी, गोकलपुर, बुढ़ाना एवं बालियार खुर्द में जल जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के तहत पानी की बबार्दी करने वाले लोगों को चिन्हित कर नोटिस दिए गए। विभाग के कनिष्ठ अभियंता सुमित यादव ने कहा कि जल हमारे जीवन का आधार है, सभी को मिलकर जल का संरक्षण करना होगा। उन्होंने कहा कि अक्सर देखने में आता है कि कई लोग लापरवाही से इस अमूल्य धरोहर को नाली में व्यर्थ बहा देते हैं। लोग अपने पानी के कनेक्शन की टोंटियों को खुला छोड़ देते हैं, साथ ही पेयजल से सब्जियां और बागवानी करते हैं, जोकि गैर कानूनी है।

व्यर्थ पानी न बहाने की दी चेतावनी

कनिष्ठ अभियंता ने बताया कि पानी की बबार्दी को रोकने के लिए लोगों को नोटिस देने के साथ जागरूक किया जा रहा है। अभियान के तहत गांव गोकलपुर में 8, बुढ़ाना में 10, बालियार खुर्द में 12 और गांव फदनी में 15 लोगों को नोटिस दिए गए, साथ ही उन्हें चेतावनी भी दी गई है कि वे पानी की बबार्दी न करें। उन्होंने कहा कि अगर लोगों ने पानी की बबार्दी नहीं रोकी और अपने पेयजल कनेक्शन पर टोंटियां नहीं लगाई तो जल्द ही ऐसे कनेक्शन काट दिए जाएंगे। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि गर्मी के सीजन को देखते सभी पेयजल बचाने के प्रति जागरूक रहे। अपने कनेक्शन पर टोंटियां लगाकर के रखें, जितना जरूरी हो केवल उतना ही पानी का प्रयोग करें और इस अभियान में विभाग का सहयोग करें।

लोग पानी का सदुपयोग करें

गर्मी के मौसम में जिले में पानी की किल्लत चल रही है। ऐसे में लोग पानी का सदुपयोग करें। अपनी कनेक्शनों पर टोंटियां लगाकर रखे। पीने के पानी को खेती व बागवानी में काम में न लें। व्यर्थ पानी बहाने वालों पर कार्रवाई की जाएगी।

- योगेन्द्र परमार, जिला सलाहकार, पब्लिक हेल्थ विभाग

बीपीएल परिवारों की तीन साल से नहीं मिली सहायता राशि, 787 लाभार्थी कर रहे इंतजार

- बीपीएल परिवारों को नहीं मिल पा रहा नेशनल फैमिली बेनिफिट स्कीम का लाभ, 1.57 करोड़ रुपये की सहायता राशि अटकी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

केंद्र सरकार की ओर से बीपीएल परिवारों के लिए चलाई जा रही नेशनल फैमिली बेनिफिट स्कीम यानि एनएफबीएस जिले में अपने उद्देश्य से भटकती नजर आ रही है। योजना के तहत परिवार के मुखिया की मृत्यु होने पर आश्रित परिवार को एकमुश्त 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है, लेकिन पिछले तीन वर्षों से सैकड़ों पात्र परिवार इस सहायता राशि से वंचित हैं। जिले में वर्ष 2023 से अब तक योजना के 787 मामले लंबित हैं। इन मामलों को लेकर जिला समाज कल्याण विभाग की ओर से केंद्र सरकार को राशि आवंटित करने के लिए सिफारिश भी भेजी जा चुकी है, लेकिन अभी तक बजट जारी नहीं होने के कारण लाभार्थियों को सहायता राशि नहीं मिल पाई है। आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2023-24 में 178, वर्ष 2024-25 में 372 तथा वर्ष 2025-26 में 237 लाभार्थियों के आवेदन लंबित हैं। तीन वर्षों से 787 लाभार्थियों की 1 करोड़ 57 लाख 40 हजार रुपये की सहायता राशि अटकी हुई है।

योजना का उद्देश्य परिवार के मुखिया की मृत्यु के बाद आर्थिक संकट से जूझ रहे परिवारों को तत्काल राहत प्रदान करना है, लेकिन सहायता समय पर न मिलने से प्रभावित परिवारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। काफी लाभार्थी बार-बार समाज कल्याण विभाग के कार्यालयों के चक्कर लगा रहे हैं। गरीब परिवारों के लिए राहत का माध्यम बनी यह योजना फिलहाल सहायता से

अधिक परेशानी का कारण बन चुकी है। जिन परिवारों ने अपने मुखिया को खोया है, वे आर्थिक तंगी के बीच सरकारी मदद की उम्मीद लगाए बैठे हैं, लेकिन वर्षों बाद भी राहत नहीं मिल पाई है। जिला समाज कल्याण अधिकारी रेणु बाला के अनुसार लंबित मामलों की रिपोर्ट और राशि की मांग संबंधित विभाग को भेजी जा चुकी है। केंद्र सरकार से बजट प्राप्त होते ही पात्र लाभार्थियों के खातों में सहायता राशि जारी की जाएगी।

शिविर में पेयजल, सफाई व अवैध कब्जों की शिकायतों पर हुई सुनवाई

रेवाड़ी। डीसी अभिषेक मीणा ने वीरवार को लघु सचिवालय सभागार में आयोजित समाधान शिविर में आमजन की समस्याओं का समाधान किया। शिविर में गांव पाली में पेयजल की समस्या, सफाई कर्मचारियों की ओर से सफाई के लिए न पहुंचने, गांव खिजूरी में रास्ते व पंचायती जमीन पर हो रहे अवैध कब्जे, गांव खोरी में मंदिर के पास हो रहे अवैध कब्जे व गांव गाधला में अवैध कब्जे सहित प्रॉपर्टी आईडी, इंतकाल दर्ज करने, बिजली की आपूर्ति, परिवार पहचान पत्र, राशन कार्ड व पेंशन से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। जिन पर डीसी ने मौके पर ही संबंधित विभागाध्यक्षों को त्वरित समाधान करने के निर्देश दिए। **समाधान शिविरों का लाभ उठाएं नागरिकः खोला** समाधान शिविर के दौरान पीपीपी कोऑर्डिनेटर डा. सतीश खोला ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का स्पष्ट विजन है कि प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को उसकी समस्या का समाधान समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों को इन शिविरों का अधिक से अधिक लाभ उठाना चाहिए और अपनी समस्याओं के समाधान के लिए निर्धारित दिवसों पर शिविरों में पहुंचना चाहिए। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। इस अवसर पर जिला नगर आयुक्त ब्रह्मप्रकाश, एसडीएम सुरेश कुमार, सीटीएम जितेंद्र कुमार व डीएसपी रविंद्र सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

राजेश पायलट ने सदैव ग्रामीण भारत की आवाज को संसद में मजबूती से उठाया: राजेश खटाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. राजेश पायलट की 26वीं पुण्यतिथि के अवसर पर वीरवार को गुर्जर समाज की ओर से श्रृद्धासुमन अर्पित किए गए। राजेश पायलट स्मृति संस्थान के उपाध्यक्ष कैलाश चंद्र सिराधना की अध्यक्षता में राजेश पायलट चौक पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस मौके पर समाज के लोगों ने पूर्व केंद्रीय मंत्री की ओर से दिखाए गए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर गुर्जर समाज के प्रधान चरण सिंह खटाना ने स्व. राजेश पायलट के जीवन, संघर्ष एवं जनसेवा का स्मरण करते हुए कहा कि वे भारतीय राजनीति के उन नेताओं में से थे, जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन किसानों, मजदूरों, गरीबों, युवाओं और समाज के वंचित वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। एक साधारण किसान परिवार से निकलकर भारतीय वायुसेना में देशसेवा करने और उसके बाद राष्ट्रीय राजनीति में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करने तक का उनका सफर युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि राजेश पायलट ने सदैव ग्रामीण भारत की आवाज को संसद में मजबूती से उठाया। किसानों की समस्याओं, मजदूरों के अधिकारों तथा ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए निरंतर संघर्ष किया। केंद्रीय मंत्री रहते हुए भी उन्होंने कभी आम आदमी से अपना जुड़ाव नहीं छोड़ा और हमेशा जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं का समाधान कराने का प्रयास किया। उनका सरल स्वभाव, स्पष्टवादिता, संघर्षशील व्यक्तित्व तथा जनसेवा के प्रति समर्पण आज भी देशवासियों के लिए प्रेरणा है। वक्ताओं ने कहा कि स्व. पायलट के आदर्शों को अपनाकर ही समाज और देश को नई दिशा दी जा सकती है।

रेवाड़ी। स्व. राजेश पायलट को श्रृद्धांजलि अर्पित करते समाज के लोग। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

राम सिंह सरपंच, लख्मी सरपंच, राजपाल सरपंच, राजेश सरपंच, धर्मबीर सरपंच, धारा सरपंच, ओमप्रकाश, संतराम तंवर, अर्जुन पोसवाल, बिल्लू पोसवाल, पदम, कृष्ण, हिमांशु, केहर सिंह, चिराग, राजबीर पटेल, भीम सिंह सरपंच, बीरेंद्र रावत, रविन्द्र, महेंद्र भेड़ी, सुभाष, पिंकी रावत, निहाल, प्रकाश रावत, अजय, प्रताप, शिव कुमार, धनीराम व जोगेंद्र सहित गुर्जर समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

नशा बेचने वालों की असली जगह जेल कारोबार करने वालों की सूचना दें: एसपी

- जिला पुलिस की नशा मुक्त टीम ने गांव काठूवास व भूड़ला में लोगों को नशे के खिलाफ किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिला पुलिस युवाओं को नशे की लत से दूर रहने और खेलों से जोड़ने के लिए विशेष अभियान चला रही है। अभियान के दौरान नशे से पीड़ित युवाओं की पहचान कर व उनकी काउंसलिंग कराकर नशा छोड़ने के लिए प्रेरित कर रही है। पुलिस ने नशे से पीड़ित काफी युवाओं का इलाज भी कराया है। पुलिस की नशा मुक्त टीम ने वीरवार को गांव काठूवास व भूड़ला में युवाओं को नशे से दूर रहने तथा शिक्षा व खेलों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। नशा मुक्त टीम ने लोगों को नशा न करने की शपथ भी दिलाई। एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने कहा कि नशा एक ऐसी बुराई है, जिससे व्यक्ति का अनमोल जीवन समय से पहले ही मौत का शिकार हो जाता है। नशा करने वाला व्यक्ति अपने साथ साथ पूरे परिवार का जीवन खराब कर देता है। उन्होंने कहा कि सबसे पहले युवा पीढ़ी को नशे से बचाना होगा। उन्होंने कहा कि पुलिस के अभियान से प्रेरित होकर युवा शिक्षा और खेल गतिविधियों की ओर अग्रसर भी हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि नशा बेचने वालों की असली जगह जेल में है, इसलिए नशे का कारोबार करने वालों की सूचना निःसंकोच होकर पुलिस को दें, पुलिस प्रशासन की ओर से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि अगर उनके पास किसी प्रकार की नशे संबंधी सूचना है कोई व्यक्ति नशे का प्रयोग करता है या नशे की सप्लाई करता है तो इस बारे पुलिस को मानस हेल्पलाइन नंबर 1933 या 112 नंबर पर सूचित करे।

न्यूज डायरी

महिलाओं ने शुरू की पर्यावरण संरक्षण की मुहिम, अनेक फलदार पौधे लगाए

रेवाड़ी। गांव कुंभावास में महिलाओं ने पर्यावरण संरक्षण को लेकर लोगों को जागरूक किया। महिलाओं ने नींबू, मौसमी, अमरूद, जामुन सहित अनेक फलदार पौधे लगाए और ग्रामीणों से भी अधिक से अधिक पौधे लगानें की अपील की। कृष्णा यादव, उषा यादव, संतोष देवी, धर्मो देवी, फूलवती, बिट्टू, शकुंतला, कमलेश देवी, सुमन देवी, सरोज देवी और ममता देवी ने पौधरोपण करके लोगों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। पर्यावरण प्रेमी कृष्णा यादव ने कहा कि आज के समय में बढ़ती गर्मी और पर्यावरण प्रदूषण को देखते हुए पौधे लगाना समय की जरूरत बन गया है। उन्होंने कहा कि पौधे वातावरण को शुद्ध रखने के साथ-साथ लोगों को फल, छाया और स्वच्छ हवा भी प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि पौधरोपण करने के साथ-साथ उनकी नियमित देखभाल करना भी जरूरी है। इस अवसर पर महिलाओं ने पर्यावरण को स्वच्छ, हरित और प्रदूषण मुक्त बनाने का संकल्प भी लिया।

ग्रामीणों ने समाधान शिविर में रखी बिजली लाइनों व अवैध कब्जे से संबंधित शिकायतें

कोसली। कोसली के विधायक अनिल यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने सफलता पूर्वक शासन के 12 साल पूरे कर लिए हैं। प्रधानमंत्री की अगुवाई में भारत की दुनिया भर में साख बढ़ी है। विधायक अनिल यादव वीरवार को कोसली लघु सचिवालय परिसर में आयोजित समाधान शिविर में लोगों की समस्याएं सुन रहे थे। इस मौके पर एसडीएम विजय कुमार यादव, मार्केट कमेटी के चेयरमैन महेश यादव व डीएसपी विद्यानंद मौजूद थे। शिविर में कोसली, भाकली, नयागांव, कारोली, नठेड़ा, झाल, सादत नगर व गुड़यिानी गांवों के लोगों ने अपनी शिकायतें रखीं। विधायक ने अधिकारियों को शिकायतों का निराकरण करने के निर्देश दिए। शिविर में बिजली लाइनों के अस्त-व्यस्त होने व अवैध कब्जे से संबंधित शिकायतें आईं। शिविर में नायब तहसीलदार नेहा यादव, बिजली वितरण निगम के कार्यकारी अभियंता अनीश कुमार, बीडीपीओ अनिल कुमार, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के एसडीओ अनिल कुमार, दलसिंह आर्य, उदयभान डागर, मनिंद्र, दीपक यादव, विजय आजाद जिला पार्षद भूपेंद्र, जिला पार्षद जीवन हितैषी व मंडल अध्यक्ष हरीश दायमा उपस्थित थे।

योग | पीथड़ावास के सरकारी स्कूल में पांच दिवसीय योग जागरूकता शिविर का हुआ समापन

नियमित योगाभ्यास से व्यक्ति शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ रहता: डा. युद्धवीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुंड

रेवाड़ी। योग साधकों को योगाभ्यास कराते हुए प्रशिक्षक। फोटो : हरिभूमि

शहीद दशरथ राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पीथड़ावास में वीरवार को पतंजलि परिवार के पांच दिवसीय योग जागरूकता शिविर का समापन हो गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, महिलाओं, युवाओं एवं बच्चों ने भाग लेकर योगाभ्यास किया तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन मौलिक मुख्याध्यापक कृष्ण कुमार ने किया। पतंजलि योग समिति के जिला प्रभारी दयाराम आर्य के मार्गदर्शन में योगाचार्य डा. युद्धवीर आर्य राज्य सचिव योग खेल संघ हरियाणा तथा राहुल शर्मा प्रशिक्षक योग खेल नर्सरी पीथड़ावास ने योग साधकों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास कराया। इस मौके पर डा. युद्धवीर ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है तथा नियमित योगाभ्यास से व्यक्ति शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ रहता है। समापन समारोह में दिनेश कुमार भाजपा जिला सचिव एवं आरएसएस कार्यकर्ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य अजय यादव ने की। राधेश्याम जांगिड़ सरपंच प्रतिनिधि ने अतिथियों एवं योग साधकों का स्वागत किया। इस अवसर पर उत्कृष्ट योगदान के लिए अमृत कुमार, यशवंत राव एवं एडवोकेट गजेश कुमार सहित अनेक योग साधकों का सम्मान किया गया। मुकेश कुमार जिला प्रभारी भारत स्वाभिमान ने सभी अतिथियों, प्रशिक्षकों व योग साधकों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर अध्यापक महेश कुमार, रवि कुमार, अभियंता मनोज कुमार, मोहित कुमार, नितेश कुमार, मोनू यादव, हमीर सिंह, भीम चंद पंच व सुमित कुमार सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

योग को दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाएं

जिला सचिव दिनेश कुमार ने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ एवं संस्कारित समाज निर्माण का सशक्त माध्यम है। उन्होंने युवाओं से योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उन्होंने विद्यार्थियों एवं योग साधकों की सुविधा के लिए विद्यालय के टीन शेड में पंखे लगवाने की घोषणा भी की।

शराब पीकर हुडदंग बाजी करने पर चार आरोपी काबू

रेवाड़ी। जिला पुलिस ने सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीकर हुडदंग मचाने के दो अलग-अलग मामलों में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान जिला महेन्द्रगढ़ के गांव भौजावास हाल आबाद मोहल्ला सरस्वती विहार निवासी हरीश, राजस्थान के जिला जयपुर के गांव पडनगर हाल आबाद मोहल्ला हंस नगर निवासी गोविंद सिंह, बिहार के जिला समस्तीपुर के गांव जितवारपुर हकीमाबाद हाल आबाद मोहल्ला विजय नगर निवासी रघुबीर व मिथुन के रूप में हुई हैं। पुलिस ने गत 10 जून की रात को पोसवाल चौक स्थित शराब ठेके के नजदीक सार्वजनिक स्थान पर शराब के नशे में गाली गलौज व हुडदंग बाजी करने वाले दो आरोपी हरीश व गोविंद सिंह को गिरफ्तार किया है। वही दूसरे मामले में पोसवाल चौक के पास सार्वजनिक स्थान पर शराब के नशे में हुडदंग बाजी करने वाले रघुबीर व मिथुन को गिरफ्तार किया है।